

तारीख
जो इस
तामील
हुए

28/5/25

अनवान रुखेडेव चौर बनाम गुरुक्षेत्र सिंह

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख अहकाम
जो इस हुकम की तामील
में जारी हुए

पञ्चावली पेशी में ली गई। आपति विभाजन प्रस्ताव पर बहस उभयपक्ष पूर्व में सुनी जा चुकी है। आपतिकर्ता नत्थु सिंह का कथन है कि प.न. 93/272 (81) कि.न. 18, 19 में आधा-आधा बिश्वा आराजी माननीय न्यायालय द्वारा पारीत आर्डेर 14.02.1979 द्वारा आपति कर्ता को प्राप्त हुई जो विभाजन प्रस्ताव में प्राप्त नहीं हुई है इसलिये पुनः विभाजन प्रस्ताव मंगवाया जावे। अधिवक्ता वादी ने मैजिस्ट्रेट बहस में कथन किया है कि पश्नगत कि.न. 18 उत्तगत पञ्चावली में सलांग जमाबंदी में अंकित नहीं है इसलिये कि.न. 18 में से आधा बिश्वा भूमि प्रतिवादी सं. 8 नत्थुसिंह को दिया संभव ही नहीं है। पञ्चावली का अवलोकन किया गया। तहसीलदार इनुमानगक ने विभाजन प्रस्ताव R111 (राजस्व मण्डल) नियम 18 ता 21 की पालना में विभाजन प्रस्ताव तैयार कर प्रेषित किया है। जिसके अनुसार (i) प्रत्येक काश्तकार को आवंटित किये गये भाग का मूष्य उसी कीमत में होगा जितना कि उसका हिस्सा छवि जोत में था। (ii) संभवतः आवंटित भाग कॉम्पैक्ट होगा (iii) संभवतः विद्यमान क्षेत्रों को हिस्सों में नहीं बंटा जायेगा। (iv) जहां तक संभव है, प्लॉट जो कि आराजी के अलग खण्डों में हो, उनकी आराजी को ही आवंटित



तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

कर दिये जायेंगे जब तक कि उसमें
हिस्से से अधिक न हो।

अतः प्रतिवादी सं. 8 द्वारा प्रस्तुत आपत्ति
कि न. 19 की इक तक आंशिक
स्वीकार की जाती है तथा तहसीलदार
हनुमानगढ़ द्वारा प्रेषित प्रस्ताव नियमों
के अनुरूप होने से, मुताबिक आंशिक
संशोधन स्वीकार किया जाता है। वादी
को प्राप्त प.न. 93/272 (81) कि.न.
19/253 की जगह 19/246 प्रदान किया
जाता है व शेष रकबा 0.007 हैक्टेयर
प.न. 93/272 (81) 19/0.007 उत्तरी ओर
कि.न. 12 के चिपता प्रतिवादी सं. 8
नत्थुविह के हिस्से में आवंटित किया
जाता है, इसी अनुसार फर्चा डिडी
अलग से जारी हो। पशवली केसल
शुमार कर नंबर से कम की जाऊं
कारिक्रम दफतर की जाती है आदेश
सुनाया गया।

सहायक कलक्टर
एवं उपखण्डाधिकारी
हनुमानगढ़